

प्रेषक,

एस0 राजू,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 11 फरवरी, 2011

विषय: कुम्भ मेला, 2010 के अन्तर्गत पर्यटन विभाग के कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-03/IV(1)/2010-283(कुम्भ)/2009 दिनांक 01.01.2010 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा पर्यटन विभाग द्वारा प्रस्तुत शौचालयों के जीर्णोद्धार/सुदृढीकरण हेतु संयुक्त निदेशक, पर्यटन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड विकास परिषद के पत्र दिनांक 06.11.2009 के क्रम में ₹ 55.06लाख की धनराशि की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

2— इस संबंध में संयुक्त निदेशक, पर्यटन, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद, देहरादून ने अपने पत्र दिनांक 18 अगस्त, 2010 द्वारा उक्त कार्य हेतु 11 शौचालयों के जीर्णोद्धार / सुदृढीकरण हेतु स्वीकृत की गयी ₹ 55.06लाख की धनराशि में से तीन शौचालयों यथा— क्रमांक-9 पर अंकित कार्य—महिला घाट हरकी पैडी शौचालय, क्रमांक-10 एवं 11 पर अंकित—जान्हवी मार्केट हरकी पैडी एवं रामलीला मैदान शौचालय, जिनका कुल योग 11.99लाख होता है को, क्रमांक-5 पर अंकित कार्य—हरिजन बस्ती (निकट बाल्मिकी मंदिर कनखल) शौचालय, जो रेनोवेशन के दौरान पूर्ण रूप से ध्वस्त हो गया था तथा जिसे 06 सीट के स्थान पर 10 सीट का बनाया गया है, पर व्यय करने की प्रशासनिक स्वीकृति दिये जाने का अनुरोध किया गया है। उक्तानुसार वर्णित क्रमांक-5 पर अंकित कार्य हेतु प्रस्तुत आगणन रु 16,28,600/-पर टी0ए0सी0 द्वारा तकनीकी परीक्षणोपरान्त ₹11.56लाख की संस्तुति की गयी है।

3— अतः इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त कार्य हेतु 11 शौचालयों के जीर्णोद्धार / सुदृढीकरण हेतु स्वीकृत की गयी ₹ 55.06लाख की धनराशि में से तीन शौचालयों यथा— क्रमांक-9 पर अंकित कार्य—महिला घाट हरकी पैडी (₹ 2.91लाख), क्रमांक-10 एवं 11 पर अंकित—जान्हवी मार्केट हरकी पैडी(₹ 4.03लाख) व रामलीला मैदान शौचालय के रेनोवेशन का कार्य(₹ 5.05लाख), जिसका कुल योग 11.99लाख होता है, को

क्रमांक-5 पर अंकित कार्य-हरिजन बस्ती (निकट बाल्मिकी मंदिर कनखल) शौचालय (लागत ₹ 11.56लाख) पर व्यय करने की प्रशासनिक स्वीकृति कार्योत्तर रूप में इस प्रतिबन्ध के साथ प्रदान की जाती है कि यदि कार्य संस्था द्वारा पूर्ण करा लिया गया है तो पर्यटन विभाग का उत्तरदायित्व है कि वे उक्त कार्य का विधिवत् भौतिक सत्यापन कराकर एम0बी0 आदि अभिलेखों की पुष्टि कराकर नियमानुसार भुगतान सुनिश्चित कराये तथा यथोचित अभिलेख संरक्षित रखे जायें।

4- शासनादेश संख्या-03/IV(1)/2010-283(कुम्भ)/2009 दिनांक 01.01.2010 की शेष शर्तें एवं प्रतिबन्ध यथावत् रहेंगे।

5- यह आदेश वित्त विभाग के अशा.सं. 527/XXVII(2)/2010, दिनांक 07 फरवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0 राजू)
प्रमुख सचिव।

संख्या : 1332 (1)/IV(1)/2010 तददिनांक 11/2/11

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
6. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
8. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 9. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
10. चैयरमैन, सुरभि लोक संस्था, 01 ओल्ड मसूरी रोड, राजपुर, देहरादून।
11. गार्ड बुक।

आज्ञा से,
(सुभाष चन्द्र)
उप सचिव।